Daily Gospel Reflections in Hindi

08 October 2019

लूकस 11 : 14 - 23

Whoever is not with me is against me

प्रभु येसु ने अपदूत को निकाला जिस के बाद लोगों की दो प्रकार की प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। पहला, कुछ लोग इस मै विश्वास करते और एंसे महान कार्य के लिए ईश्वर की स्तुति करते हैं! वहीं दूसरे लोग इस के इस तरह के चमत्कार करने की शक्ति के स्रोत पर संदेह करते और उन की हंसी उड़ाते हैं। वे यहां तक बोल देते कि ये व्यक्ति शैतान की शक्ति से यह सब कर रहा है। कुछ शास्त्री जो येरूशलम से आए थे, वे येसु से अपना अधिकार साबित करने के लिए स्वर्ग का कोई चिन्ह दिखाने की चुनौती देते हैं। उन्हें ईश्वर के कार्यों के बदले अपनी परम्पराओं की फ़िक्र थी।

प्रभु येसु तीन तरह से इस सब का जवाब देते हैं।

ईश्वर की आत्मा से प्रेरित ईसा के कार्य को शैतान का बता कर वे ईश्वर की निन्दा कर रहे थे। प्रभु ने विभाजित राज्य की तुलना से यह साबित किया कि शैतान खुद अपना राज्य नष्ट नहीं करेगा अतः यह सिद्ध है की प्रभु के कार्य ईश्वर की शक्ति से ही संचालित है। यदि ईश्वर द्वार प्रेषित व्यक्ति ईसा मसीह शैतान की ओर से अपदूत निकाल रहे तो शास्त्री और उनके चेले किस की सहायता से अपदूतो को निकालते हैं। यह प्रश्न अपने आप में दिखाता है कि प्रभु उन्हें उन्हीं की मूर्खता से पराजित करते हैं । प्रभु मसीह शैतान की तुलना बलवान शक्ति के रूप में करते हैं। लेकिन यह सिद्ध करते हैं कि ईश्वर का सामर्थ्य उस बलवान शैतान से भी बढ़कर हैं । इंसान के बीच से शैतान के राज्य मिटने से ईश्वर के राज्य का आगमन होता है, और इस तरह मसीह वाजिब जवाब उनके विरोधियों को देते हैं हम प्रभु के कार्य और शैतान के कार्यों का फ़र्क समझें और सच्चे कार्यों के द्वारा ईश्वर की स्तुति करें। आमेन।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019